मौखिक प्रश्नउत्तर

Q1. रानी कर्मवती को युद्ध में विजय पाने के लिए क्या उपाय सूझा?

Ans रानी कर्मवती को युद्ध में विजय पाने के लिए हुमायूँ को राखी भेजने का उपाय सूझा

Q2. हुमायूँ के साथ और कौन-कौन से व्यक्ति डेरे में बैठे थे?

Ans हुमायूँ के साथ उसका सेनापति हिंदूबेग और तातार खाँ डेरे में बैठे थे।

Q3. हुमायूँ की प्रतिक्रिया और दूत की कही गई बातों से उनके चरित्र की किन विशेषताओं का परिचय मिलता है?

Ans हुमायूँ की प्रतिक्रिया से यह पता चलता है ~~कि~~ कि वह उदार है और वीरता की कद्र करना वह ~~अच्छी~~ अच्छी तरह जानता है। दूत की बात से यह पता चलता है कि वह हुमायूँ जैसे ~~बा~~ बादशाह की उसी प्रकार इज्जत करता है जैसी महारानी कर्मवती।

Q4. 'छोटे-छोटे' वैमनस्य छोड़कर ही हम बड़े उद्देश्य के लिए काम कर ~~क~~ सकते हैं। पाठ के आधार पर बताइए।

Ans महारानी कर्मवती ने पुरानी दुश्मनी की दीवार को तोड़ कर हुमायूँ को अपना भाई माना और उसे

राखी भेजी तो हुमायूँ ने भी अपनी पिता की पुरानी बात भुला दी और राखी की इज्जत करते हुए मेवाड़ की रक्षा का वचन दिया। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि छोटे-छोटे वैमनस्य छोड़कर हम बड़े उद्देश्य के लिए काम कर सकते हैं।

Q5/ राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने में यह एकांकी किस प्रकार सहायक है?

Ans इस एकांकी में इस एकांकी में, दो विरोधी विचार धारा (हिंदू-मुसलमान) को मानने वाले एक दूसरे का सम्मान कर रहे हैं और आपसी रंजिश को भूल भुलाकर साथ आ रहे हैं। इस प्रकार यह एकांकी राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने में सहायक है।

लघूत्तरीय प्रश्न

Q/ रानी कर्मवती ने अपने स्वामी की प्रशंसा में क्या कहा?

Ans रानी कर्मवती ने अपने स्वामी की प्रशंसा में यही कहा कि वे बहुत बहादुर योद्धा थे, उनके बल और

पराक्रम से मेवाड़ के ~~दुस्त दुष्ट~~ दुष्ट तो कांपते ही थे उसके बाहर भी उनका प्रभाव था। यही कारण है कि मेवाड़ की सीमा में किसीका पैर रखने का साहस ~~न अ~~ न था।

Q2) बाघसिंह ने युद्ध के विषय में क्या जानकारी दी?

Ans बाघसिंह ने बताया कि राजपूत वीरता से लड़ रहे हैं। ~~हमारी~~ उनकी संख्या बहुत कम है लेकिन वे शत्रुओं का डट कर मुकाबला करेंगे और ~~सप~~ तोप खाने की आग से भी न डरेंगे।

दीर्घउत्तरीय प्रश्नउत्तर

Q.1) हुमायूँ की बात का विरोध तातार खाँ और हिंदू बेग क्यों कर रहे थे?

Ans ~~हुमायूँ की बात का विरोध तातार खाँ~~ रानी कर्मवती के पति राणा संग्राम सिंह ने मुगलों को भारत से खदेड़ने के लिए कई ~~ल~~ लड़ाइयाँ लड़ी। सीकरी के युद्ध में

मुगलों को काफ़ी नुकसान उठाना पड़ा था यह दुश्मनी बाबर के समय से थी, यही कारण है कि तातार खाँ और हिंडूबेग हुमायूँ की बात का विरोध कर रहे थे।

Q2/ नाटक के आधार पर हुमायूँ और कर्मवती के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए?

Ans हुमायूँ और कर्मवती इस नाटक के दो ध्रुव हैं। एक तरफ़ हुमायूँ है जो मुगल सम्राट है। वह त्याग और बलिदान की कद्र करता है। उसके मन में मेवाड़ के प्रति श्रद्धा है। वह प्रेम का आदर करनेवाला रक्षक है। यही कारण है कि वह खानदानी दुश्मनी को

भुला देता है और महारानी ~~क~~ को बहन ~~मानकर~~ मानकर चित्तौड़ की रक्षा में तत्पर हो जाता है।

दूसरी तरफ रानी कर्मवती हैं जो मानवता को ऊपर रखती हैं। उन्हें ~~है~~ विश्वास है कि सभी मानव के हृदय ~~की~~ ~~Hindi Grammar Syllabus~~ की एक जैसी ही धड़कन होती है। मंदिर ~~और~~ और मस्जिद का बाहरी भेद ही हिंदु - मुसलमान को अलग करती है। यही कारण है कि वे मुहब्बत को सबसे ऊपर मानकर हुमायूँ को राखी भेजती है।